

Roll No.

MPA–004

Disaster Preparedness

(आपदा तैयारी)

P. G. Diploma in Disaster Management
(PGDDM–12/16)

First Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours

Max. Marks : 35

Note : This paper is of **thirty five (35)** marks containing **three (3)** sections A, B and C. Learners are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र पैंतीस (35) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Section–A / खण्ड–क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'A' contains four (04) long answer type questions of seven and half $7\frac{1}{2}$ marks each. Learners are required to answer *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े सात $7\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं।
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What is the need and significance of community based disaster preparedness ? Discuss key strategies of operationalising the community based disaster preparedness plan.

समुदाय आधारित आपदा तैयारी का क्या महत्व है तथा इसकी क्या आवश्यकता है ? समुदाय आधारित आपदा तैयारी योजना के क्रियान्वयन हेतु प्रमुख कार्यनीतियों की चर्चा कीजिये।

2. Provide a comprehensive view of the concept of disaster management.

आपदा प्रबन्धन की अवधारणा पर एक सारगर्भित विचार प्रस्तुत कीजिये।

3. Assess the vulnerability of women in disasters and explain their role in disaster preparedness activities.

आपदाओं में महिलाओं की संवेदनशीलता का आकलन कीजिये तथा आपदा तैयारी गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका स्पष्ट कीजिये।

4. Highlight the emerging trends in disaster mitigation.

आपदा न्यूनीकरण में उभरती हुई प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये।

Section-B / खण्ड-ख**(Short Answer Type Questions) / (लघु उत्तरीय प्रश्न)**

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of two and half $2\frac{1}{2}$ marks each.

Learners are required to answer *six* (06) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं।
प्रत्येक प्रश्न के लिए ढाई $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं।
शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Discuss the role of fire service in disaster situations.
आपदा स्थित में अग्निशमन सेवाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिये।
2. Identify the policy areas in disaster mitigation.
आपदा न्यूनीकरण में नीति सम्बन्धी क्षेत्रों को चिह्नित कीजिये।
3. Discuss the issues involved in sustainable landuse planning.
सतत् भूमि उपयोग नियोजन में सम्मिलित मुद्दों पर चर्चा कीजिये।
4. Bring out the essentials of team work.
दल कार्य के अनिवार्य तत्वों का वर्णन कीजिये।
5. Examine the role of media in disaster situation.
आपदा की स्थिति में मीडिया की भूमिका की समीक्षा कीजिये।

6. Examine the concept of community awareness.
सामुदायिक जागरुकता की अवधारणा की समीक्षा कीजिये।
7. Highlight the effects of disaster on livestock.
पशुधन पर आपदाओं के प्रभावों पर प्रकाश डालिये।
8. Explain some conflict resolution techniques.
परस्पर संघर्ष समाधान की कुछ कार्यनीतियों को स्पष्ट कीजिये।

Section-C / खण्ड-ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note : Section 'C' contains ten (10) objective type questions of half $\frac{1}{2}$ mark each. All the questions of this section are compulsory.

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Write True/False :

सत्य/असत्य लिखिये :

1. Ministry of Environment and Forest is the Nodal Ministry of drought.
सूखा आपदा के लिये वन एवं पर्यावरण मंत्रालय नोडल मंत्रालय है।
2. President of India is the Chairman of N. D. M. A.
एन. डी. एम. ए. का अध्यक्ष भारत का राष्ट्रपति होता है।

3. Disaster management has been included in the syllabus of class IX and X from 2005.

आपदा प्रबन्ध को 2005 से कक्षा IX एवं X के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

4. NIDM was set up in 2003.

एन. आई. डी. एम. की स्थापना 2003 में हुई थी।

5. In India 169 districts in 17 states have been identified as multi-hazard prone districts.

भारत में 17 राज्यों के 169 जनपद बहुल खतरा संभावित चिह्नित किये गये हैं।

Write expanded from the following :

निम्नलिखित के विस्तृत रूप लिखिये :

- 6. BIS
- 7. NDMA
- 8. CWC
- 9. CMG
- 10. CRF

